>

Title: Need to establish Doppler Radar system in Cloudburst affected areas of Uttarakhand and also make rehabilitation and compensation process more effective for the affected people of Uttarakhand.

श्री सतपाल महाराज (गढ़वाल): मैं सरकार का ध्यान विÂषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले उत्तराखंड राज्य की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। पर्वतीय क्षेत्र होने के कारण इस राज्य में हर समय दैवीय आपदा का भय व्याप्त रहता है। हाल ही में बादल फटने की अनेक घटनाओं से उत्तरकाशी व उखीमठ क्षेत्र में भारी तबाही हुई है। इन दुर्घटनाओं को डाप्लर राडार की मदद से रोका जा सकता है। नैनीताल व मसूरी में इन राडारों को लगाने से बादलों को ट्रैक किया जा सकता है जिससे आपदा से पूर्व ही उस क्षेत्र के निवासियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जा सकता है। मैं यह भी बताना चाहता हूं कि पुनर्वास व विस्थापन नीति के अभाव में राज्य की जनता त्रस्त है। इन नीतियों को बना शीघ्र ही जनता के समक्ष उजागर करना अत्यंत आवश्यक है। हाल ही कि आपदा में यह देखने को मिला कि उत्तरकाशी में हुए नुकसान के लिए अधिक मुआवजा दिया गया तथा उसी प्रकार का नुकसान उखीमठ में होने पर कम मुआवजे का वितरण हुआ, यह सरासर अनुचित है। एक ही प्रकार के नुकसान के लिए सामान मुआवजा नीति होनी चाहिए।

मेरा सरकार से अनुरोध है कि वह राज्य में राडारों की स्थापना के लिए भूमि की उपलब्धता, पुनर्वास एवं विस्थापन की नीति तथा सामान मुआवजा प्रणाली लागू करने के लिए उत्तराखंड सरकार को निर्देशित करने की कृपा करें।